पंजाब केसरी 26/03/2023

सामाजिक विज्ञान, विज्ञान, शिक्षा और मानवीयता के संदर्भ में उभरती हुई चुनौतियों पर किया संगोष्ठी का आयोजन

अम्बाला छावनी, 25 मार्च (कोचर): कैंट के जी.एम.एन. कालेज में प्राचार्य डा. रोहित दत्त की अध्यक्षता और डा. राकेश कुमार के नेतृत्व में एक दिवसीय अंतर विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन आई.सी.ई.आर.टी. के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। इस संगोष्ठी का विषय सामाजिक विज्ञान, विज्ञान, शिक्षा और मानवीयता के संदर्भ में उभरती हुई चुनौतियां रहा। संगोष्ठी का शुभारंभ मुख्य अतिथि समाजसेवी जसबीर, आई.सी.ई.आर.टी. चेयरमैन डा. संदीप सिंहमार व अन्य ने दीप प्रज्वलित कर किया।

प्राचार्य डा. रोहित दत्त ने कहा कि इस संगोष्ठी करने का उद्देश्य राष्ट्र-निर्माण और अंतरराष्ट्रीय सौहार्द को स्थापित करना है। संगोष्ठी संयोजक डा. राकेश ने संगोष्ठी के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथि जसबीर सिंह ने कहा कि इस संगोष्ठी का विषय बहुत ही व्यापक है, जिसमें मानवीयता, कला, सामाजिक विज्ञान, सामाजिक संचार, तकनीकी, मनोविज्ञान, सभ्यता और संस्कृति के साथ-साथ मूल्यों, व्यवहार एवं आत्मनिर्भरता और स्वाव लम्बनता को शामिल किया गया है।

संगोष्ठी के दौरान मुख्य अतिथि विभिन्न विषयों पर जानकारी देते हुए। (चंद्रमोहन)

उन्होंने कहा कि आज की इस संगोष्ठी में विद्वानों द्वारा चिंतन एवं मनन किया जाएगा। इसके पश्चात् बीज वक्ता के रूप में प्रो. राजेंद्र कुमार उप्पल प्राचार्य बाबा फरीद कालेज, मैनेजमैंट व टैक्नोलोजी, बंठिडा उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि विगत वर्षों में कोरोना महामारी के फैलने पर भारत ने आपसी सौहार्द से परिस्थितियों को नियंत्रित किया।

इस संगोष्ठी में 4 तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया, जिसमें डा. एस.एस. नैन, डा. एस.के. पांडे, डा. सुरेंद्र कुमार, डा. कमलेश, डा. रवनीत, डा. भारती विज, डा. कुलदीप यादव, डा. अनुपमा सिहाग ने संगोष्ठी में सैशन चेयर की।

संगोष्ठी के समापन सत्र के मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा लोक सेवा आयोग हरियाणा सरकार के सदस्य राजेंद्र कुमार, जबकि विशिष्ठ अतिथि के रूप में आर्य कन्या महाविद्यालय की प्राचार्या डा. अनुपमा आर्य उपस्थित रही। मंच संचालन डा. अमित कुमार, डा. अनुपमा सिहाग, डा. मनजीत कौर व डा. रवनीत कौर ने किया।